कौटिल्य एकेडमी

MAINS TEST PAPER - 4 / PAGE - 1

नमूनार्थ प्रश्नोत्तर पुस्तिका
Sample Question Answer Booklet

306666

Paper Code
GS Paper-IV

Date : 06-03-2021

रोल नंबर अंतर्राष्ट्रीय अंको में लिखें - (1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 0) | 4 | 4 | 1 | 8 | 5 | 7 |

रोल नंबर शब्दों में लिखें - ....

नाम Akanksha Garhwal

Paper Code
GS Paper-IV

306666

अभ्यर्थी द्वारा सावधानीपूर्वक भरा जावें।

Roll No.

0	0	0	0	0	0
1	1	1	1	1	1
2	2	2	2	2	2
3	3	3	3	3	3
4	4	4	4	4	4
5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6
7	7	7	7	7	7
8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9

अभ्यर्थी के अनुक्रमांक एवं पहचान पत्र को प्रवेश पत्र से मिलान पश्चात् ही वीक्षक बॉक्स में हस्ताक्षर करें

वीक्षक द्वारा भरा जावे।

यदि अभ्यर्थी अनुचित साधन का उपयोग करते हुए पाया जाता है तो वीक्षक निम्नांकित गोले को काले/नीले पेन से भरे एवं तत्काल केन्द्राध्यक्ष को सूचित करें :

(केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर एवं सील परीक्षा भवन में)

भाग – अ (Part -A)

प्रश्न 1. इस प्रश्न में 15 अतिलघुत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 15 से 20 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंको का है।

Question 1. This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 15 to 20 words. All question are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks. 3x15=45

प्रश्न (1.1) Hot hand phenomenon (गर्म हाथ परिघटना) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : जब किसी समूह या तरीके से सफलता प्राप्त होती है तो उसी तरीकों को दुबारा दोहराया जाता है एवं भविष्य में सफलता का अनुमान लगाया जाता है। जैसे- क्रिकेट या बास्केटबॉल में विजेता टीमों का दोहराया जाना।

प्रश्न (1.2) Nolan committee (नोलन कमेटी) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : भ्रष्टाचार से संबंधित कमेटी

प्रश्न (1.3) Psychological work of mentality (मनोवृत्ति का ज्ञानात्मक कार्य) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : मनोवृत्ति के संवेगात्मक घटक से संबंधित कार्य है। इसमें किसी विचार, वस्तु, व्यक्ति के प्रति ज्ञान के बोध से विचारों का निर्माण किया जाता है।

प्रश्न (1.4) four nobel truth (चार आर्य सत्य) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : गौतम बुद्ध द्वारा प्रतिपादित दर्शन है- जिसमें-
- दुःख है - अर्थात् दुःख समुदय,
- दुःख का कारण है, दुःख का निवारण है एवं दुःख निरोध गामिनी प्रतिपदा

प्रश्न (1.5) Cleanliness means (शुचिता से आशय) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : लोकसेवकों से संबंधित एक मूल्य है जिसमें कार्य के स्तर पर सत्यता, पारदर्शिता जैसे मूल्यों का समावेशन किया जाता है।

3x15=45

प्रश्न 1. इस प्रश्न में 15 अतिलघुत्तरीय उप प्रश्न है, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 15 से 20 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

Question 1. This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 15 to 20 words. All question are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks.

पू./M = 03

प्राप्तांक

प्रश्न (1.6) Compassion fatigue (करूणा की थकान)

उत्तर :

पू./M = 03

प्राप्तांक

प्रश्न (1.7) Ethical dilemma (नैतिक दुविधा)

उत्तर : किसी व्यक्ति के समक्ष दो या अधिक विकल्प मौजूद होने पर, एवं इनके चुनाव की दुविधा, जिसमें कम से कम एक विकल्प नैतिक हो।
जैसे- व्यक्तिगत बनाम शासन, शासन के स्तरों पर आदि।

पू./M = 03

प्राप्तांक

प्रश्न (1.8) Political Dairy (पॉलिटिकल डायरी)

उत्तर : राम मनोहर लोहिया की पुस्तक है।
इसमें राजनीतिशास्त्र से संबंधित दर्शन का वर्णन है।
मुख्यतः राष्ट्रवाद व स्वतंत्रता के बीच संबंधों को दर्शाया गया है।

पू./M = 03

प्राप्तांक

प्रश्न (1.9) Sympathy (सहानुभूति)

उत्तर : ऐसा मूल्य, जिसमें किसी असहाय, दुःखी, पीड़ित व्यक्ति के प्रति दया, दुःख का भाव जाग्रत होता है।
परंतु इसमें व्यक्ति-दूसरे व्यक्ति की मनःस्थिति नहीं जान पाता। जैसे- किसी विकलांग व्यक्ति के प्रति सहानुभूति

पू./M = 03

प्राप्तांक

प्रश्न (1.10) The life devine (द लाइफ डिवाइन)

उत्तर : अरविन्द घोष की प्रसिद्ध पुस्तक है।
- जीवन के रहस्यों व आदर्शों पर आधारित पुस्तक है।
- अरविन्द- नव वेदान्त वादी दार्शनिक है।

भाग – अ (Part -A)

प्रश्न 1. इस प्रश्न में 15 अतिलघुत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 15 स 20 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंको का है।

Question 1. This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 15 to 20 words. All question are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks. 3x15=45

प्रश्न (1.11) Importance of tolerance in public servants (लोकसेवक में सहिष्णुता का महत्व) — पू./M = 03 — प्राप्तांक

उत्तर : – प्रशासन में स्वस्थ्य कार्य संस्कृति का समावेश होगा।
– सरकारी कार्यक्रमों का बेहतर क्रियान्वयन
– लोकतंत्र की वास्तविक स्थापना।
– शासन प्रशासन के द्वारा समन्वय की स्थापना।

प्रश्न (1.12) Honesty (ईमानदारी) — पू./M = 03 — प्राप्तांक

उत्तर : ऐसा मूल्य है, जो व्यक्ति को किसी पक्ष के प्रति सत्यनिष्ठ बनाता है। अर्थात् इसमें व्यक्ति के नैतिक सिद्धांतो व व्यवहारों में सुसंगति होती है। जैसे – लोकसेवकों का शासन के प्रति ईमानदारी।

प्रश्न (1.13) Objectivity (वस्तुनिष्ठता) — पू./M = 03 — प्राप्तांक

उत्तर : किसी व्यक्ति द्वारा निर्णय किए जाते समय उन समस्त आधारों से मुक्त रहना जो उसकी व्यक्तिगत चेतना में शामिल है एवं तर्क, सत्यता के आधार पर निर्णय लेना।
– लोकसेवकों का आधारभूत मूल्य है।

प्रश्न (1.14) Inability (असमर्थता) — पू./M = 03 — प्राप्तांक

उत्तर : किसी कार्य को करने के प्रति अविश्वास या सक्षमता का अभाव।

प्रश्न (1.15) International Transparency Commission (अंतर्राष्ट्रीय पारदर्शिता आयोग) — पू./M = 03 — प्राप्तांक

उत्तर :

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है। 6x10

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.1) Without law and religion, values cannot be established, discuss with examples?

कानून तथा धर्म के बिना मूल्य स्थापित नहीं किए जा सकते, उदाहरण सहित चर्चा करें ?

उत्तर : मूल्यों की स्थापना में जहाँ पारिवारिक, सामाजिक कारकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है वहीं ~~बाह्य~~ कारकों के तहत कानून एवं धर्म भी अहम भूमिका निभाते हैं।

जैसे - सत्यनिष्ठा का मूल्य - लोक सेवकों में आचरण संहिता नियमावली 1964 के द्वारा ठोस रूप में स्थापित किया जाता है।

- मानवता जैसा मूल्य - ~~कई धर्मों~~ सभी धर्मों की विशेषता है जिसे व्यक्ति ग्रहण कर जीवन में उतारता है।

<u>भूमिका</u> -

→ कानून एक संहिता ~~बद्ध~~ प्रक्रिया से मूल्यों का समावेशन करवाने में सहायक होते हैं

→ मूल्य विचलन पर दण्ड/अपमान आदि के भय से स्थायित्व प्रसार होता है।

→ धर्म चूँकि जीवन का ही अंग है अतः स्वमेव ही प्रसारित होकर मूल्य स्थापित करते हैं।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.1) Continued (जारी)

पू./M = 06

प्राप्तांक

जैसे- भ्रष्टाचार जैसी समस्या समाधान व इस हेतु पारदर्शिता, निष्पक्षता, ईमानदारी, कर्त्तव्यपरायणता का मूल्य - आईपीसी नियम कठोर PoS के माध्यम से ही संभव है।

अतः कानूनों का समुचित क्रियान्वयन व धर्मों की नैतिक शिक्षा मूल्य प्रसार ~~का महत्वपूर्ण~~ में भूमिका निभाता है।

6x10=60

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.2) Mention the reasons for corruption?

भ्रष्टाचार के कारणों का उल्लेख करें ?

उत्तर : भ्रष्टाचार किसी व्यक्ति के नैतिक मूल्यों का पतन दर्शाता है। जिसका तात्पर्य है - व्यक्तिगत लाभों की आकांक्षा से नैतिक-लोक नियमों की अवहेलना करना।

इसमें व्यक्ति अपने पदों का दुरूपयोग कर आर्थिक, सामाजिक, आदि लाभ अर्जित करता है। आईपीसी में इसे अपराध मानकर तीन वर्षीय जेल व अर्थदण्ड का प्रावधान किया गया है।

भ्रष्टाचार के कारण निम्नलिखित है :

1) राजनीतिक कारण -

↳ राजनीति में चुनाव दौरान चंदे आदि लाभ के हितार्थ

→ राजनीति का अपराधीकरण होना

→ पद लाभ का अनुचित फायदा उठाना

→ राजनीतिक इच्छा शक्तियां

2) सामाजिक - सांस्कृतिक कारण -

→ सामाजिक कुरीतियां - दहेज प्रथा

→ आर्थिक संपन्नता प्राप्ति हेतु

→ दिखावे की संस्कृति

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.2) Continued (जारी)

पू./M = 06

प्राप्तांक

→ अनुचित धन लाभ को सामाजिक स्वीकृति होना

→ भ्रष्टाचार विरोध में जनमत अभाव

3) प्रशासनिक कारण –

→ कार्य बोझ एवं रेडटेपीजम

→ प्रशासनिक कार्यजटिलता

→ राजनीतिक समर्थन प्राप्त होना।

4) आर्थिक कारण –

→ वेतनमान के सापेक्ष उपभोग व्यय में वृद्धि भ्रष्टाचार का प्रमुख कारण है

→ आर्थिक सुधार पर ज्यादा ध्यान होना

→ एलपीजी सुधार के दौरान इस समस्या के प्रति अनदेखी

5) वैधानिक कारण –

→ मौजूदा संस्थाओं, नियमों की अप्रभावशीलता

→ अनुच्छेद 311 के तहत लोकसेवकों का संरक्षण

→ लोकपाल, लोकायुक्त जैसे संस्थाओं के क्रियान्वयन में कमी

अतः सूचना संचार प्रौद्योगिकी, मीडिया, जनभागीदारी से इस समस्या का निदान किया जाना चाहिए।

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है। 6x15

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.3) Factors of Attitude Change?
मनोवृत्ति परिवर्तन के कारक ?

उत्तर : किसी मनोवैज्ञानिक विषय के प्रति सकारात्मक नकारात्मक भाव की उपस्थिति ही मनोवृत्ति कहलाती है।
जैसे - पाश्चात्य संस्कृति के प्रति सकारात्मक मनोवृत्ति रूढ़िवादिता संस्कृति के प्रति नकारात्मक
सामान्यतः मनोवृत्ति जन्मजात नहीं होती है अपितु अर्जित की जाती है अतः इसमें कई कारकों की भूमिका से परिवर्तन संभव है।

परिवर्तन

आनुवंशिक कारक	सामाजिक सांस्कृतिक कारक
↓	
माता-पिता, वंश की मनोवृत्ति का प्रभाव व इसमें परिवर्तन देखा जा सकता है परंतु भूमिका नगण्य होती है।	→ व्यक्तिगत कारक → परिवार भूमिका → प्रतिष्ठा सूचन → संदर्भ समूह → समूह संबंधन → बाधित संपर्क → जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी के द्वारा

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.3) Continued (जारी)

पू./M = 06

प्राप्तांक

→ व्यक्तिगत कारकों में - स्वयं किसी विचार या विषय के प्रति भावों में परिवर्तन संभव है।

→ परिवार, शिक्षकों के द्वारा - सीख देने, उदाहरण, अनुभव द्वारा मनोवृत्ति को परिवर्तित किया जा सकता है।

→ संदर्भ समूह - जैसे - विश्वविद्यालय, संगठन अपने विचारों के प्रसार से परिवर्तन ला सकते हैं।

→ प्रतिष्ठित लोग जैसे - महात्मा गांधी - अस्पृश्यता, अब्राहम लिंकन - दासप्रथा, अमिताभ बच्चन - स्वच्छता आदि सूचना प्रसार के माध्यम से

→ बाधित संपर्क - मतभेद होने पर साथ रहने के कारण अक्सर मनोवृत्ति परिवर्तन हो सकता है जैसे - गोरे - काले रंग के लोग, आदि।

→ मीडिया, समाचार पत्र, सूचना प्रौद्योगिकी, इण्टरनेट आज के समय में कई लोगों की मनोवृत्ति को परिवर्तित करने में भूमिका निभाते हैं।

अतः यह अस्थायी विचार / भाव हो सकता है जिसमें इन कारकों के माध्यम से परिवर्तन संभव है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x1(

पू./M.=

प्राप्तांक

प्रश्न (2.4) Swami Vivekananda was a nationalist thinker. Explain

स्वामी विवेकानंद एक राष्ट्रवादी विचारक थे, स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर : स्वामी विवेकानंद अद्वैत वेदांत विचार के समर्थक, समाजसेवी एवं राष्ट्रवादी विचारक है। उनके विचारों। दर्शन मे उनके गुरु रामकृष्ण। परमहंस का प्रभाव झलकता है।

स्वामी विवेकानंद ने समाज सुधार, युवा प्रेरक, राष्ट्रधर्म संबंधित अनेक विचारों का प्रतिपादन किया है। जो निम्नलिखित बिन्दुओं के अन्तर्गत देखे जा सकते है

- सर्वधर्म समभाव का विचार देकर मानववाद को केन्द्रित किया।
- हिन्दू दर्शन व शैली के माध्यम से समाज व देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया।
→ वे दरिद्रनारायण की सेवा को ही ईश्वर की सेवा मानते है

वस्तुतः ईश्वर। नारायण सभी प्राणियों में मौजूद है अतः उनके उत्थान, जीवन सुरक्षा, समानता के माध्यम से ईश्वर की पूजा की जानी चाहिए।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.4) Continued (जारी)

पू./M = 06

प्राप्तांक

→ युवाओं को कर्मशील बनकर देश की सेवा हेतु तत्पर रहने का मार्ग बनाया।

– इसमें अनुशासन की महत्ता को प्रमुखता थी इसी कारणवश सदैव 12 जनवरी - राष्ट्रीय युवा दिवस विवेकानंद के जन्मदिवस पर मनाया जाता है।

निष्कर्षतः उनके विचारों की प्रासंगिकता वर्तमान व भविष्य के कालों में भी सदैव बनी रहेगी।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है। 6x10

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.6) Role of family and society in controlling corruption?

भ्रष्टाचार नियंत्रण में परिवार व समाज की भूमिका ?

उत्तर : हाल ही में भ्रष्टाचार बोधक सूचकांक 2020 में भारत 6 स्थान खिसककर 86 वें स्थान पर (180 देश) पहुँच गया है।

वस्तुतः यह स्थिति भ्रष्टाचार की गहनता व प्रसार को दर्शाती है। भारत में जहाँ भ्रष्टाचार की सार्वभौमिकता व्याप्त है; कई कारक भूमिका अदा करते हैं।

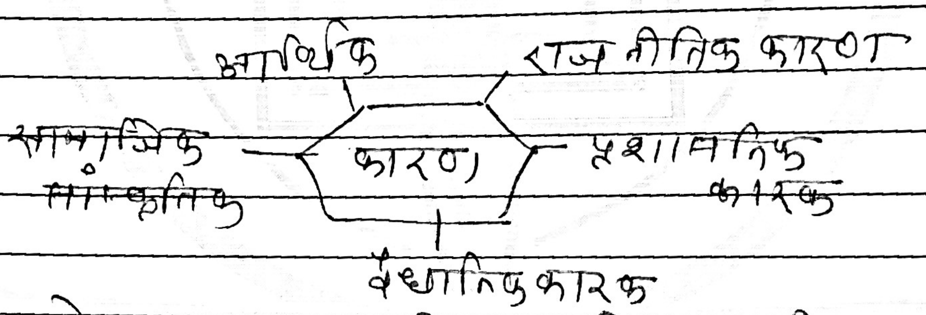

इनके अलावा प्राथमिक भूमिका परिवार व समाज की होती है जहाँ से इसकी जड़े फैलना शुरू होती है। अतः नियंत्रण में भी भूमिका महत्वपूर्ण है।

* परिवार की भूमिका :

↳ आधारभूत मूल्य, नैतिकता जैसे गुणों की प्राथमिक सीख परिवार से मिलती है

→ आर्थिक भूमिका (निम्न स्थिति) भी सहायक घटक साबित होती है

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.6) Continued (जारी)

पू./M = 06

प्राप्तांक

→ भ्रष्ट आचरण पर परिवार समर्थित व्यवहार की अस्वीकारोक्ति

→ आर्थिक संपन्नता होने पर इसके ~~अस्व~~ पीछे की जाती है कारणो का पूछा जाना।

* समाज की भूमिका:

→ भ्रष्टाचार के प्रति समाज में किसी भी क्षोभ जनमत का अभाव है।

→ आर्थिक सशक्तता, दिखावे की संस्कृति से भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है।

→ भ्रष्ट लोगों के प्रति विरोध या ~~अस्वी~~ अस्वीकार करने की प्रवृत्ति का अभाव

अतः मीडिया, लोकजनभागीदारी पारदर्शिता के द्वारा नियंत्रण किया जा सकता है

→ भ्रष्ट लोगों का बहिष्कार करना

→ ईमानदार, सत्यनिष्ठ व्यक्ति का सम्मान करना

निष्कर्षतः सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में परिवार, समाज की भूमिकाएं और भी सशक्त हो रही हैं।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.7) Absolute neutrality' in public service is a hypothesis. Explain.

लोक सेवा में 'पूर्ण तटस्थता' एक परिकल्पना है, स्पष्ट करें।

उत्तर : पूर्ण तटस्थता ऐसा मूल्य है जो व्यक्ति को किसी भी निजी, मार्क्सिक विचार से ऊपर समर्पण को लक्षित करता है।

लोकसेवा में पूर्ण तटस्थता उपर्युक्त संदर्भों में समझी जाती है :

→ संविधान के प्रति

→ सरकारी कानून, नियम, विधेयकों के प्रति

→ जनता के प्रति योजना क्रियान्वयन के संदर्भ में

→ सरकार निर्मित - लोकसेवकों की आचरण संहिता की नियमावली के प्रति

→ राजनीतिक तटस्थता आदि।

इस संदर्भ में पूर्ण तटस्थता तभी संभव है जब लोकसेवकों में निम्नलिखित आधारभूत मूल्यों का समावेशन होगा -

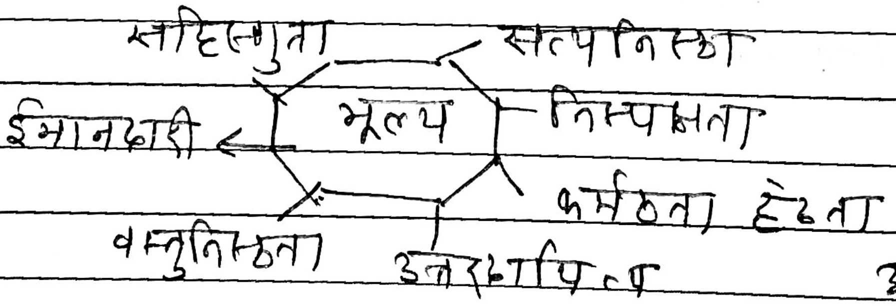

आदि।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.7) Continued (जारी)

परन्तु पूर्ण तटस्थता की स्थिति पूर्णतः सापेक्ष नहीं मानी जा सकती। वस्तुतः प्रत्येक व्यक्ति के निजी पारिवारिक मूल्य, वातावरण भिन्न भिन्न होते है जिसके कारणवश तटस्थता में विचलन या भिन्नता स्वभाविक है। इसके कारण के प्रमुख बिन्दु हैः

- नैतिक मार्गदर्शन के रूप मे अंतरआत्मा की मौजूदगी होना
- दया, करुणा, सहानुभूति, समानुभूति का गुण

जैसे - न्यायाधीशों के निर्णयों में पूर्ण तटस्थता की अनिश्चितता होना

→ नारीविषयक संगठन में नारी मुद्दो के प्रति झुकाव आदि।

अतः पूर्ण तटस्थता लोकसेवको का आधारभूत मूल्य है जिसकी अनिवार्यता है परंतु साथ ही पूर्ण तटस्थता हेतु तमाम नियम, आचार संहिता मार्गनिर्देशित करते है।

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x1

प्रश्न (2.8) What is Aptitude ? explain the benefits of Aptitude.
अभिक्षमता किसे कहते हैं? विशेषताओं के लाभ स्पष्ट करें।

उत्तर : अभिक्षमता अर्थात अभिरुचि - किसी व्यक्ति के निश्चित क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने की क्षमता है।
अर्थात् अभिक्षमता विकास से उपयुक्त विषय में दक्षता आती है।
जैसे - क्रिकेटर की क्रिकेट खेलने की अभिक्षमता
→ किसी व्यक्ति की नाट्य क्षेत्र में अभिक्षमता
→ चित्रकारी, संगीत आदि क्षेत्र में

विकास -
→ इसका विकास सामान्यतः अभ्यास, लगन, दृढ़ता या आनुवांशिक कारक से भी संभव है।
→ इसमें परिवार, शैक्षिक क्षेत्र की भी भूमिका होती है।

विशेषताएँ -
→ कार्यप्रणाली में उत्कृष्टता आती है
→ सफलता सम्मान में वृद्धि होती है।
→ मनोवृत्ति के विकास में सहायक है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.8) Continued (जारी)

पू./M = 06

प्राप्तांक

अभिरुचि की विशेषताओं के कई काम होते है —

→ किसी व्यक्ति की अभिक्षमता क्षेत्र विशेष के प्रति सकारात्मक मनोवृत्ति विकसित करती है जिससे भागीदारी लेकर अन्य व्यक्ति की मनोवृत्ति भी परिवर्तित हो सकती है।

→ लोकसेवा क्षेत्र में कार्यप्रणाली में सटीकता का सफलता हासिल हो सकती है।

→

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.9) Define prejudice and discrimination and measures to reduce it?
पूर्वाग्रह व विभेद को परिभाषित करें तथा कम करने के उपाय बताएं?

उत्तर :- पूर्वाग्रह व विभेद दोनों ही समाज के नकारात्मक घटकों के रूप में देखे जाते है।

पूर्वाग्रह से तात्पर्य - किसी विचार, विषय, वस्तु के प्रति ज्ञान, संपूर्णता, अनुभव प्राप्ति से पूर्व ही निर्णय कर लेना।

जैसे - किसी जनजाति के प्रति पूर्वाग्रह।

वही विभेद, पूर्वाग्रह के उपरांत उसकी व्यवहारात्मक प्रक्रिया है जो साधारणतः नकारात्मक ही होती है।

जैसे - अस्पृश्यता, भेदभाव, ऊँच नीच का व्यवहार करना।

जहां पूर्वाग्रह मूलतः अस्थायी होते है अतः परिवर्तन आसान होता है अपितु विभेद को कम करने हेतु बाह्य कारक, दबाव का मार्ग अपनाना पड़ता है।

→ पूर्वाग्रह कम करने के उपाय -

- सूचना संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.9) Continued (जारी)

पू./M = 06

प्राप्तांक

→ शैक्षिक कार्यक्रम, जागरूकता प्रसार के द्वारा

→ जनभागीदारी - सामुदायिक सहयोग द्वारा

→ अन्तराश्रित व्यवहार के द्वारा - उभयनिष्ठ लक्ष्य प्राप्ति की समस्या उत्पन्न कर व पारस्परिक सहयोग बढ़ाकर।

→ अन्तर्समूह संपर्क के माध्यम से

→ समूह सदस्यता में परिवर्तन द्वारा

* विभेद कम करने के उपाय -

→ कानूनी प्रतिबंध द्वारा

→ संविधान, राजनीतिक, प्रशासनिक स्तर पर

→ जागरूकता प्रसार, कई उदाहरणों व इसके परिणाम के द्वारा

अतः मानवता, सत्यता की दृष्टि से इन सामाजिक कारकों को कम किया जा सकता है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है। 6x10

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.10) Tulsidas's philosophy is based on coordination. Explain.

तुलसीदास का दर्शन समन्वय पर आधारित है स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : तुलसीदास का दर्शन तत्कालीन परिस्थितियों के प्रभाव से प्रभावित होता दिखाई देता है।
जिसके तत्व निम्नलिखित है।

→ धर्म व दर्शन को सामान्य जनता के अनुकूल बनाए जाने का प्रयास किया ताकि मोक्ष प्राप्ति मार्ग सरल बन सके।

→ ऐसे ईश्वर को स्वीकारा जो समाज के सभी वर्गों में लोकप्रिय हो।

→ मोक्ष प्राप्ति पर भक्ति मार्ग पर जोर, जो सभी दर्शन में व्याप्त था।

→ ईश्वर के सगुण, साकार, व्यक्तित्वपूर्ण अवधारणा को स्वीकारा

→ ईश्वरीय साक्षात्कार ईश्वरीय प्रेम व भक्ति से ही संभव

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.10) Continued (जारी)

पू./M = 06

प्राप्तांक

- आत्मा को अजर अमर, शाश्वत, नित्य व ईश्वर का अंश माना।

- जगत की सत्ता को स्वीकार कर समन्वय का भाव प्रकट किया।

अतः तुलसीदास ने ऐसा दृष्टि प्रस्तुत किया जिसकी स्वीकार्यता समस्त विश्व में हो व जो समाज को जोड़कर रखे।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है। 6x1

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.11) Dimensions of moral values?

नैतिक मूल्यों के आयाम ?

उत्तर :- नैतिक मूल्य - वे मूल्य है जो जीवन में नैतिकता का समावेशन कर कार्यप्रणाली का क्रियान्वयन करने को प्रेरित करते है।

आयाम -

→ ये जन्मजात नही अपितु सीखे जाते है।

→ ये आदर्श के रूप में होते है

→ इनमे सोपानक्रम होता है

→ ये सापेक्षत: वस्तुनिष्ठ होते है।

→ ये अमूर्त होते है

→ स्थापना जैसे विकासक्रम में होती है

→ परिवर्तन कठिन परंतु संभव है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.12) What is emotional intelligence? explain its importance.

सांवेगिक बुद्धि किसे कहते हैं? इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

उत्तर : डेनियल गोलमैन ने बुद्धि लब्धि के अपेक्षा सांवेगिक बुद्धि की महत्ता को परिभाषित किया है

यहां सांवेगिक बुद्धि से तात्पर्य है —

"किसी व्यक्ति द्वारा स्वयं के विचार, भावों को समझकर, उन्हें नियंत्रित करना एवं कार्यप्रणाली के स्तर पर सफलता हेतु इसका उपयोग करना।"

अतः सांवेगिक बुद्धि के माध्यम से किसी भी क्षेत्र में सफलता का स्तर बढ़ जाता है ऐसा माना जाता है महिलाओं में सांवेगिक बुद्धि अधिक होती है।

यह 5 योग्यताओं का समूह है —

→ स्वजागरूकता - स्वयं ही जागरूक होना
→ आत्मनियमन - नियमन द्वारा अनुशासित
→ आत्म अभिप्रेरणा → आत्म- संकल्पित होना
→ समानुभूति - स्वयं व दूसरों के भाव जानना
→ सामाजिक संबंधन - संपर्क द्वारा व्यक्तियों के विचार जानना

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.12) Continued (जारी)

पू./M = 06

प्राप्तांक

सांवेगिक बुद्धि का महत्व

- सिविल सेवा
- राजनीति
- जीवन शैली सामर्थ्य स्तर पर
- आर्थिक स्तर पर
- सामाजिक स्तर पर

→ लोकसेवकों में सांवेगिक बुद्धि के महत्व से जनता संपर्क का बेहतर मार्ग तैयार होता है

→ संवेदनशील वर्ग के साथ न्याय

→ योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन

→ एकता, समन्वय की संस्कृति का प्रसार

→ आधारभूत मूल्य स्थापना में वृद्धि

→ आर्थिक संवृद्धि

→

अतः सांवेगिक बुद्धि के बहुआयामी महत्व से स्वस्थ कार्य संस्कृति व सम्मान में वृद्धि होती है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.14) Measures to develop moral values in public servants ?

लोक सेवकों में नैतिक मूल्यों को विकसित करने के उपाय ?

उत्तर : नैतिक मूल्य लोकसेवकों को नैतिक कार्यों को करने की प्रेरणा देते है। वस्तुतः नैतिक मूल्य से आशय - जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नैतिकता का समावेशन कर कार्यों का क्रियान्वयन करना।

लोकसेवक चूँकि शासन का अभिन्न अंग है जिसमें नैतिक मूल्य होना आवश्यक है —

→ जनता के अधिकार सुरक्षा हेतु
→ अंतिम व्यक्ति के सर्वांगीण विकास हेतु
→ नीतियों के बेहतर क्रियान्वयन हेतु
→ लोकतंत्र की सुरक्षा हेतु
→ संविधान की भावना स्थापित्व हेतु आदि।

अतः ऐसे मूल्यों को विकसित करने हेतु उपाय के प्रमुख बिन्दु है —

→ लोकसेवकों के चयन, प्रशिक्षण, नियुक्ति के दौरान ऐसे मूल्यों का समावेशन किया जाना।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.14) Continued (जारी)

पू./M = 06

प्राप्तांक

• इसमें परीक्षा प्रणाली के दौरान नैतिकता परीक्षण करना, प्रशिक्षण के दौरान मूल्यों की अहमियत व प्रयोग से साक्षात्कार करवाना।

→ पारदर्शिता, जवाबदेहिता द्वारा - जिसमें सूचना तकनीक, सूचना अधिकार का प्रभावी इस्तेमाल करना।

→ सीसीटीवी अन्य तकनीक का इस्तेमाल।

→ मीडिया, जनभागीदारी द्वारा।

→ आचरण संहिता नियमावली का नियंत्रणकारी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना।

→ विभागों में हर महीने लोक अदालत का आयोजन करना।

→ प्रतिस्पर्धा के द्वारा कार्यप्रणाली व नैतिकता के पैमाने जांचना।

अंततः नैतिक मूल्यों का परिणाम उनके क्रियान्वयन में दृष्टिगोचर होता है।

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

6x10

प्रश्न (2.15) 'Tagore was not only a poet but a humanist thinker' clarify the humanist ideology in this statement?
'टैगारे एक कवि ही नहीं अपितु एक मानवतावादी चिन्तक थे' इस कथन में मानवतावादी विचारधारा को स्पष्ट करें ?

उत्तर : टैगोर चित्रकार, दार्शनिक, ~~शिक्षक~~ कवि होने के साथ मानववाद के क्षेत्र में भी अपने विचार प्रस्तुत किये है।

→ विचारधारा –

- उच्च कोटि के मानववादी है।
- संवेग व व्यापी भाव के दमन का परामर्श नही दिया
- विश्वभारती के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना का विचार दिया
- ~~[illegible]~~

यहां टैगोर व गांधी के राष्ट्रीयता व मानववाद में वैचारिक ~~[illegible]~~ मतभेद है गांधी प्रथमत: राष्ट्रवाद को रखते है व टैगोर मानवता को।

वस्तुत: टैगोर का मानवता आधुनिकता लिए हुए है जो विश्व बंधुत्व में विश्वास रखता है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.16) Analyze the main provisions of the code of conduct for civil servants.

लाके सेवकों की आचार संहिता के मुख्य प्रावधानों का उल्लेख करें?

उत्तर : अनुच्छेद 309 के तहत राष्ट्रपति को अधिकार है कि वह लोकसेवकों के संदर्भ में नियमावली तैयार कर सकते है।

इसी संदर्भ में 1964 में केन्द्रीय सिविल सेवक आचरण संहिता का निर्माण किया गया।

वस्तुतः आचार संहिता लोकसेवकों को नैतिकता के मार्ग पर चलने हेतु मार्गदर्शित करती है। ऐसे में ये नियम महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं –

→ पूर्ण कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करना।

→ किसी भी स्थिति में चंदा देने पर प्रतिबंध

→ बिना अनुमति उपहार लेने पर प्रतिबंध

→ किसी पारिवारिक / पहचान के व्यक्ति के नियुक्ति पर प्रतिबंध

→ ~~स्पष्ट~~ राजनीतिक तटस्थता एवं निष्पक्षता

→ सार्वजनिक आलोचनाओं पर प्रतिबंध

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks 6x10=60

प्रश्न (2.16) Continued (जारी)

पू./M = 06

प्राप्तांक

→ संपत्ति संबंधी लोकसेवकों के नियम
→ लोकसेवकों के निजी व्यापार पर प्रतिबंध
→ निजी मादक, व्यापार को बढ़ावा देने पर प्रतिबंध
→ सट्टेबाजी जैसी क्रियाओं पर प्रतिबंध
→ साथ ही पंथनिरपेक्ष आचरण।

अतः ये आचार संहिता लोकसेवकों को पथभ्रष्ट होने से रोकती है ताकि सेवा मूल्यों का उचित क्रियान्वयन हो सके।

कौटिल्य एकेडमी

6x10=60

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू./M =

प्राप्तांक

प्रश्न (2.18) What is Pratityasamutpada in Buddhist thought?
बौद्ध चिंतन में प्रतीत्य–समुतपाद क्या हैं?

उत्तर : बौद्ध दर्शन का सिद्धांत प्रतीत्यसमुत्पाद कारण - कार्य का सिद्धांत है। जो मुख्यतः चार आर्य सत्यों
- दुःख है
- दुःख का कारण है
- दुःख का निवारण है
- दुःख निरोध गामिनी प्रतिपदा

के संदर्भ में प्रयुक्त होता है।
मुख्यतः दुःख का कारण है - यही प्रतीत्यसमुत्पाद का सिद्धांत है।

बुद्ध के अनुसार दुःख के कई कारण है जिनके चक्र में मनुष्य उलझा रहता है। इसे द्वादश निदान चक्र कहा गया है। अर्थात

जन्म मरण → जाति
भव → उपादान
तृष्णा → वेदना
स्पर्श → षडायतन
नामरूप → विज्ञान
संस्कार → अविद्या

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.18) Continued (जारी)

पू./M = 06

प्राप्तांक

ये भव चक्र / धर्म चक्र है जिसमें जन्ममरण का कारण जाति है,
भव का कारण उपादान है, तृष्णा का कारण वेदना, स्पर्श का कारण षडायतन षडायतन का कारण नामरूप, नामरूप का कारण विज्ञान, विज्ञान का कारण संस्कार व संस्कार का कारण अविद्या है।
यह दुःख का मूल कारण है
ज्ञान के अभाव में यह स्थिति आती है।
कारण, कार्य की श्रृंखला अविद्या पर रूकती है।
अतः इस द्वादश निदान का संबंध भूत, वर्तमान । भविष्य तीनो काल से है।
अतः प्रतीत्यसमुत्पाद के माध्यम से बुद्ध ने कर्मवाद की स्थापना पर बल दिया है एवं साथ ही इसके निदान हेतु मध्यम मार्ग का रास्ता दिखाया है।

30-35

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्रश्न (3.1) You are SDM, your childhood friend Ramesh's sister is going to get married, you have been invited to the wedding, when you reach there, you come to know that the girl is under 18 and you get to know this the day before the wedding and it is a recognized practice in that society. In that society, marriage is judged with respect, and your friend's financial situation is also not right. In this way you have-

आप एक एस.डी.एम. है, आपके बचपन के मित्र रमेश की बहन की शादी है, आपको शादी में बुलाया गया है, जब आप वहाँ पहुँचते हो, आपको पता चलता है, कि लड़की की उम्र 18 वर्ष से कम और आपको यह पता शादी के एक दिन पहले ही पता चला, तथा उस समाज में यह मान्यता प्रथा है। उस समाज में शादी को मान–सम्मान से आँका जाता है, साथ ही आपके मित्र की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है।
ऐसे आपके पास–

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

30+35=65

प्रश्न (3.1) What values are struggling in the episode.
प्रकरण में कौन –कौन मूल्य संघर्षरत है।

प्राप्तांक

उत्तर : 'लोकसेवक होने के नाते मेरी प्राथमिक जिम्मेदारी है जनता का कल्याण करना एवं प्रशासन के मूल्यों के अधीन कार्यों का क्रियान्वयन करना।

अतः उपर्युक्त प्रकरण में चूँकि प्रशासनिक अधिकारी होने के साथ व्यक्तिगत संबंध भी शामिल है। मेरे समक्ष कई मूल्य संघर्षरत है –

1) सत्यनिष्ठा – मेरे नैतिक सिद्धांत – बालविवाह को गैर कानूनी मानते है एवं व्यवहार में भी उसको उतारना मेरा कार्य है ~~परन्तु विवाह~~।

2) समानुभूति – बालविवाह के प्रति मेरे मित्र की स्वीकारोक्ति होना मेरे समक्ष अस्वीकार है इस बात को जानते हुए मूल्य टकराना।

3) ईमानदारी का मूल्य एक लोकसेवक के नाते जरूरी है ~~अतः~~

4) मान सम्मान को बचाने के साथ विवाह को रोकने की चुनौती मौजूद है।

30-35-

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्रश्न (3.1) Continued (जारी)

प्राप्तांक

→ आर्थिक स्थिति की निम्न स्थिति के साथ मेरे मित्र को विवाह के विरोध में मनाने की चुनौती मौजूद है।

इसके अलावा निष्पक्षता, वस्तुनिष्ठता, कर्तव्यपरायणता जैसे मूल्य मेरे समक्ष मौजूद है।

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमशः : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्रश्न (3.2) What would you do as an officer in such a situation?
ऐसी स्थिति में अधिकारी होने के नाते आप क्या करेंगे ?

प्राप्तांक

उत्तर : चूंकि मुझे इस विवाह की जानकारी एक दिन पूर्व ही प्राप्त हुई है अतः लोकसेवक होने के नाते मेरी प्राथमिक जिम्मेदारी बाल विवाह को रोकने की है एवं इस हेतु मेरे द्वारा निम्नलिखित कदम उठाये जायेंगे -

- सर्वप्रथम मेरे मित्र को समझाकर - विवाह रोकने का प्रयास करूंगा -
  - ~~बाल~~ बालविवाह निरोधक अधिनियम के बारे में बताकर
  - → शैक्षिक कारक
  - → लड़की के स्वास्थ्य, ~~जीवन से संबंधित~~ पोषण संबंधी चुनौती आदि से अवगत कराऊंगी
- विवाह रोककर मेरे द्वारा ~~यथा~~ आर्थिक मदद का प्रयास करूंगी।
- यदि मित्र द्वारा फिर भी विवाह के पक्ष में मत दिए जाए तो फिर प्रशासन, मीडिया का सहारा लेकर विवाह रोकने का प्रयास करूंगी।

30+35=

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्रश्न (3.2) Continued (जारी)

→ यदि विवाह पर रोक स्थानीय स्तर पर ही सम्भव है तो इसे बिना के लाए रोकने का प्रयास करूँगी।

इसके अलावा

तात्कालिक उपाय

→ लड़की के शिक्षा हेतु प्रशासनिक मदद

→ आर्थिक स्थिति हेतु योजनाओं का इस्तेमाल

दीर्घकालिक उपाय

→ बाल विवाह के प्रति जनजागरूकता

→ विवाह हेतु कुछ वर्ष (18 पश्चात) रुक जाने का मार्ग दिखाऊँगी ताकि मान सम्मान भी बना रहे व बाल विवाह भी न हो।

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

30-35-65

प्रश्न (3.3) What is your duty as a friend?

एक मित्र होने के नाते आपका क्या कर्त्तव्य है ?

प्राप्तांक

उत्तर : मित्र होने के नाते मेरा प्राथमिक कर्तव्य है कि मैं सामाजिक कुरीतियों के प्रसार को रोकने के साथ मित्र के प्रति भी जिम्मेदारी निभाऊँ

→ उसे गलत काम उठाने से रोकूँ

वस्तुतः यहाँ विवाह (बाल विवाह) होने से कई नकारात्मक कारक की उपस्थिति है -

→ लड़की के स्वास्थ्य, पोषण की चिंतनीय स्थिति

→ शैक्षिक स्तर पर सशक्तिकरण का अभाव

विवाह रोकने से यहाँ कानूनी स्तर पर कुरीति का हनन हो रहा है वहीं मित्रता का भी फर्ज अदा हो रहा है। यहाँ विवाह से कोई लाभ नहीं हो सकता था।

अतः मेरा कर्तव्य है -

→ मित्र का मान सम्मान भी बना रहे

→ आर्थिक स्थिति के मद्देनजर कोई समस्या पैदा न हो।

30-35-65

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्राप्तांक

प्रश्न (3.3) Continued (जारी)

→ मित्र की बहन के साथ न्याय करना।
→ सामाजिक कुरीति के प्रति उसे आगाह करना व ऐसा कदम उठाने से उसे रोकना।

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

30+35=65

प्राप्तांक

प्रश्न (4) In the present scenario, if government schools are left out, almost education has been commercialized. Today education is only a means of getting employment. The basic value of education is the development of personality, but the sad aspect is that the development of personality itself has been commercialized. Social and national values are not included in the personality development of the child.

वर्तमान परिपेक्ष्य में यदि सरकारी विद्यालयों की छोड़ दिया जाये जहाँ लगभग शिक्षा का व्यावसायीकरण हो चुका है। जो शिक्षा का रोजगार पाने का एक साधन मात्र है। शिक्षा का बुनियादी मूल्य व्यक्तित्व का विकास है लेकिन दुःखद पहलू यह है कि व्यक्तित्व के विकास का ही व्यवसायीकरण हो गया है। बच्चे के व्यक्तित्व विकास में सामाजिक एवं राष्ट्रीय मूल्यों का समावेश नहीं किया जाता है।

कौटिल्य एकेडमी

30+35=65

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्राप्तांक

प्रश्न (4.1) What is the reason for commercialization of education ?
शिक्षा के व्यवसायीकरण के क्या कारण है ?

उत्तर : शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति के बौद्धिक उन्नयन के सामाजिक, आर्थिक, राष्ट्रीय विकास करना ताकि मानव संसाधन के रूप में देश का समावेशी विकास हो सके।

परन्तु वर्तमान में शिक्षा के व्यवसायीकरण के प्रसार के कई कारण मौजूद है –

सकारात्मक कारण	नकारात्मक कारण
• शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि हेतु	• आर्थिक लाभ हेतु
• सरकारी स्कूलों के निम्न प्रकृति के कारण	• शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण
• रोजगार में वृद्धि हेतु (शिक्षक, अन्य कर्मचारी)	•

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65 30+35=65

प्रश्न (4.2) What are the benefits of value added education ?
मूल्य परक शिक्षा के क्या–क्या लाभ है ?

प्राप्तांक

उत्तर :

मूल्य परक शिक्षा से व्यक्ति के भीतर बेहतर व्यक्तित्व का विकास होता है जिसका लाभ प्रत्येक क्षेत्र में देखा जा सकता है –

- समाज उत्थान के प्रति कार्यों में महत्व
- संवेदनशील वर्गों के प्रति सहायक
- शासन स्तर पर नैतिक मूल्य समावेशन
- समावेशी विकास
- भ्रष्टाचार, धोखे जैसी समस्याओं में स्वमेव ही कमी आ जायेगी।
- समाज में अपराधों में कमी आयेगी।
- जिम्मेदारी, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा से कार्य की प्रेरणा मिलती है
- राजनीतिक स्तर पर लाभ
-

अतः परिवार, समाज आदि मूल्य विकास में भागीदार होते है।

30+35=65

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्राप्तांक

प्रश्न (4.3) Education should not be a medium of employment, in this context, submit your views.
शिक्षा सिर्फ रोजगार का माध्यम ना बनकर रह जाये, इस सन्दर्भ में आपना विचार प्रस्तुत करें।

उत्तर : शिक्षा प्राप्ति का प्राथमिक उद्देश्य रोजगार हासिल कर आर्थिक सुनिश्चितता प्राप्त करना होता है। परंतु इसमें मात्र रोजगार प्राप्ति का मुख्य होने से शिक्षा की वास्तविकता का क्षय होता है।

जैसे - रवीन्द्रनाथ टैगोर का कथन है - "शिक्षा व्यक्तित्व विकास का माध्यम है।"

* मात्र रोजगारन्मुखी शिक्षा से कई हानियाँ है -
→ राष्ट्र निर्माण की भावना का पतन।
→ व्यक्तित्व विकास के साथ मूल्यों का पतन।
→ समाज में भ्रष्ट आचरण - अपराध, भ्रष्टाचार का समावेशन
→ लैंगिक भेदभाव, ~~महिलाओं के प्रति~~

अत: इसे हेतु मूल्य समावेशन हेतु प्रयास किया जाना चाहिए -

• शैक्षणिक स्तरों पर मानवीय मूल्य, नैतिकता की शिक्षा प्राथमिक शिक्षा से ही दी जानी चाहिए
• नैतिकता परीक्षण किया जाना चाहिए।

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

30+35=65

प्रश्न (4.4) Mention the major components related to personality development.
व्यक्तित्व विकास से संबंधी प्रमुख अवयवों को उल्लेखित करें।

प्राप्तांक

उत्तर : व्यक्तित्व विकास हेतु शिक्षा जहाँ प्राथमिक भूमिका निभाती है वहीं अन्य घटक निम्नलिखित है :

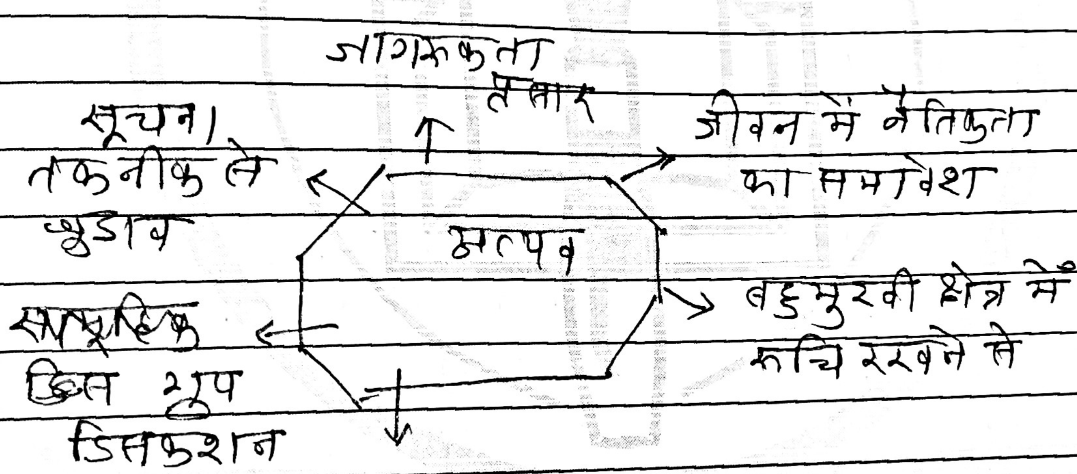

30+35=65

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्राप्तांक

प्रश्न (4.5) What measures can be taken for the personal development of children ?
बच्चों के व्यक्तिगत विकास के लिये क्या किया जा सकता है ?

उत्तर : बच्चों के विकास हेतु प्राथमिक जिम्मेदारी माता पिता व स्कूल की होती है अतः इन दोनो स्तर पर कई प्रयास किये जा सकते हैं।

माता पिता या परिवार

- उदाहरण, अनुभव के द्वारा विषय के प्रति जिज्ञासा जगाना
- उनकी रुचि के प्रति स्वतंत्रता देना
- बातचीत, भाव, अभिक्षमता का पता लगाना
- समानुभूति, समानुभूति का मूल्य सिखाना
- आदर, सत्कार से समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना

स्कूल

- अतिरिक्त कार्य योजना से बच्चों को व्यस्त रखना जैसे - खेलकूद, चित्रकारी कविता आदि।
- प्रतिस्पर्धा (स्वस्थ) के द्वारा
- पुरस्कार सम्मान के माध्यम से